313

हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार

की

ऑडिट रिपोर्ट

अवधि

वर्ष 2004–2005

Scanned with CamScanner

उपाध्यक्ष/सचिव
विकास प्राधिकरण
हरिद्वार

एल०ए०/14(5)
03-5-2006 (के प्रति)

24/11 (312)

निदेशालय, कोषागार एंव वित्त सेवायें, सह–स्टेट इन्टरनल आडिट उत्तरॉचल देहरादून ।
(स्थानीय निधि लेखा परीक्षा प्रभाग, देहरादून)
सम्परीक्षा आख्या:– भाग– प्रथम

लेखे का नाम:– हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार
सम्परीक्षा अवधि:– वर्ष 2004–2005
प्रशासन:– आलोच्य अवधि संस्था का प्रशासन निम्नलिखित में निहित था।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	प्राधिकरण में पदनाम	कार्यकाल
	श्री उत्पल कुमार सिंह आई०ए०एस०	उपाध्यक्ष	1 अप्रैल, 2004से19.6.2004
	श्री नवीन चन्द्र शर्मा, आइ०ए०एस०	तदैव	19.6.2004 से 3.3.2005
	श्री सुन्दर लाल जुयाल, आई०ए०एस०	तदैव	3.3.2005 से 31.3.2005
	श्री रमाशंकर पी०सी०एस०	सचिव	1.4.2004 से 11.8.2004
	श्री विनोद प्रसाद रतूड़ी, पी०सी०एस०	सचिव	20.11.2004 से 22.1.2005
	श्री डी० सेन्थिल पाण्डियाल, आई०ए०एस०	सचिव	22.1.2005 से 31.3.2005
	श्री प्रदीप कुमार गोयल	लेखाधिकारी	1.4.2004 से 31.3.2005

संकेत:– 8–3–2005 से 31–3–2005 तक सचिव पद का कार्य उपाध्यक्ष एंव लेखाधिकारी में निहित रहा ।

सम्परीक्षा का स्वरूप:– उप लेखा परीक्षा ।

अनिस्तारित सम्परीक्षा आपत्तियों का विवरण:–

सम्परीक्षा अवधि	सम्परीक्षा आख्या के अनिस्तारित अनुच्छेद	आपत्ति पत्रावली के पद	वर्ष वार अनिस्तारित आपत्तियों की संख्या
1	2	3	4
1993–94	12,14,15,18, 19,20	—	6
1994–95	21	—	1
1995–96	1 (क)(ख)(1)(2)(3)(ग)	—	5
1996–97	1 (क)(ख)(1)(2)	—	3
1997–98	1 (क) 7 टिप्पणी	—	2

क्रमशः–2

लेखाधिकारी 103

1. बिन्दु के तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। पद पूर्ण नियत अधिकारी [illegible] है
2. बिन्दु के भी गलत हैं मेरे पास सचिव का चार्ज नहीं रहा

08/5/06

1998–99	1 (1)(2)(4)(5)(6)(7)(8) 9 14,15	1,2,7,8,10,11, 12
1999– 2000	1 (1)(2)(3)(5)(6)(7)(8)(9)(11)(12) (14)(15) 3 टिप्पणी (1)(2)(3)(4)(5) 4टिप्पणी 5टिप्पणी (1)(2)(3) 6टिप्पणी (1)(2)(3) 7,8	—
2000– 2001	1 (1)(2)(3)(4)(5)(6) 2(क) 3टिप्पणी (1) (2)(3)(4)(5) 4टिप्पणी,(1)(2)(3)(4) 5,8	—
2001– 2002	1 (1)(2)(3)(4)(5)(6)(7)(8)(9) 10(I)(II)(III)(N)2(1)(2)(3)(4) 3टिप्पणी (1)(2)(3)4टिप्पणी (1)(2) 5,6,7	1,2,3,4,5,6,7,8, 9,10,11,12,
2002– 2003	1(1)(2)(3)(4)(5)(6)(7)(8)(9)(10)(11)(12)(13)(14)(15)3टि0(1)(2)(3)(4)(5)4टि0(1)(2) (3),6,8	1,5,7,9,10,11, 12,13,14
2003–2004	अप्राप्त	—

उपर्युक्त अनिस्तारित सम्परीक्षा आपत्तियों का अनुपालन सुनिश्चित किया

दिनांक 01–3–2006
स्थानः– देहरादून
अनन्त प्रसाद श्रीवास्तव
वरिष्ठ लेखा परीक्षक ग्रेड प्रथम

निर्गमनार्थ अधिकृत

वरिष्ठ लेखा परीक्षक,
स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग

सहायक निदेशक,
कोषागार एंव वित्त से
स्थानीय निधि लेखा परी
देहरादून, उत्तराँचल

Scanned with CamScanner

311 29/10 39

निदेशालय,कोषागार एंव वित्त सेवायें,सह–स्टेट इन्टरनल आडिट उत्तरॉचल देहरादून ।
(स्थानीय निधि लेखा परीक्षा प्रभाग,देहरादून)
सम्परीक्षा आख्या:– भाग– दो(अ)

...का नाम:– हरिद्वार विकास प्राधिकरण हरिद्वार
...धि:– वर्ष 2004–2005

...के उल्लेखनीय प्रकरण:–

व्यपहरण के प्रकरण ।	शून्य
दुर्विनियोग के प्रकरण ।	शून्य
अनानुमोदित व्यय के प्रकरण ।	शून्य
अधिक/अनियमित/एंव परिहार्य व्यय ।	शून्य
अधिष्ठान सम्बन्धी अनियमिततायें।	शून्य
राजस्व की क्षति एंव आय की हानि से सम्बन्धित प्रकरण ।	शून्य
अधिभार के प्रकरण ।	शून्य
आय–व्यय /आवटंन अनुदानों के उपभोग में पायी गयी गम्भीर प्रकरण ।	शून्य
अनावर्तक/आवर्तक अनुदानों के उपभोग में पायी गयी गम्भीर अनियमिततायें ।	शून्य
अन्य विविध प्रकति की गम्भीर अनियमिततायें ।	शून्य

दिनांक 01–3–2006
स्थान:– देहरादून
अनन्त प्रसाद श्रीवास्तव
वरिष्ठ लेखा परीक्षक ग्रेड प्रथम

निर्गमनार्थ प्राधिकृत
वरिष्ठ लेखा परीक्षक,
स्थानीय नि... लेखा परीक्षा विभाग

सहायक निदेशक,
कोषागार एंव वित्त सेवायें,
स्थानीय निधि लेखा परीक्षा प्रभाग,
देहरादून, उत्तरॉचल ।

क्रमश:– 4

Scanned with CamScanner

सा0/

निदेशालय,कोषागार एवं वित्त सेवायें,सह–स्टेट इन्टरनल आडिट उत्तरांचल
(स्थानीय निधि लेखा परीक्षा प्रभाग,देहरादून)
सम्परीक्षा आख्या:– भाग– दो(ब)

लेखे का नाम:– हरिद्वार विकास प्राधिकरण हरिद्वार
सम्परीक्षा अवधि:– वर्ष 2004–2005
सम्परीक्षा तिथि:– वर्तमान सम्परीक्षा दिनांक 30 सितम्बर,2005 को प्र
दिनांक 31 जनवरी, 2006 को समाप्त हुई ।

1– लेखे के उल्लेखनीय गम्भीर प्रकरण:–

(1) अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण हरिद्वार को भुगतान रू0 3850892–00:–

पत्रावली के अवलोकन से विदित हुआ कि पुर्नवास योजना बी0एच0 ई
विद्युत कार्य हेतु दिनांक 22–11–2004 को किये अनुबन्ध के क्रम में देय धनरा
का भुगतान चेक संख्या 439204 दिनांक 29–11–2004 द्वारा रूपयें 3080714–00
धनराशि रूव 770178–00 दिनांक 29–12–2004 चेक संख्या 439224 के माध्य
गया था इस प्रकार से प्राधिकरण कोष कुल रू0 3850892–00 का भुगतान
फलस्वरूप भी अभी भी कार्य को अन्तिम रूप नहीं दिया गया था । प्राधिक
ध्यान में रखते हुए इस कार्य अविलम्ब अन्तिम दिये जाने हेतु प्राधिकरण प्रशास
विशेष रूप से आकृष्ट किया जाता है ।

(2) श्री निखिल वर्मा को पुर्नवास योजना के अन्तर्गत रूपयें 368795–00 का भु

पत्रावली के अवलोकन से विदित हुआ कि पुर्नवास योजना के अन्तर्गत
वाले कार्य जिसमें लेवनिंग का कार्य था रू0 3800365–00 अनुमानित व्यय
तैयार किया गया था । जिसमें आमंत्रित की गई निविदाओं में श्री निखिल वर्मा
अनुमानित प्राकलन की धनराशि से 35.5% कम पर स्वीकार करते हुए कार्य
किये गये थे अनुबन्ध के अनुसार कार्य प्रारम्भ की तिथि 27–9–2004 एंव कार्य
तिथि 27 जनवरी,2005 थी ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत किये गये बिल के अनुसार रू0
दिनांक 27–10–2004 द्वारा भुगतान किया गया । अनुमानित प्राकलन एंव स्वी
के 35.5% कम पर अनुबन्ध की धनराशि रू0 2451235–00 देय थी किन्तु वि
कार्य पूरा किये हुए श्री वर्मा रू0 1863795–00 का भुगतान किया जा चुका था
सापेक्ष कितने प्रतिशत अवशेष था इसका आंकलन नहीं किया गया था सम्पर्
पत्रावली से यह भी प्रकाश में आया कि अधिकतर आवासित परिवारों द्वारा स्था
नहीं किया जा रहा था इस सम्बन्ध में कार्य को पूर्ण किये जाने हेतु आवश्यक
जाय तथा अपूर्ण कार्य को अविलम्ब पूर्ण कराये जाने हेतु प्राधिकरण प्रशासन
ओर विशेष रूप से आकृष्ट किया जाता है ।

Scanned with CamScanner

...विज्ञापन प्रकाशन पर नियंत्रण न रखा जाना:– सम्परीक्षा के समय देखा गया कि ...बही के अनुसार दिनांक 7–10–2004 को मिडिया लिंकर्स अमर उजाला एंव दैनिक ...ण को निविदा प्रकाशन एंव योजना प्रकाशन पर क्रमशः रूपयें 35820–00 एंव ...8–00 का भुगतान किया गया था प्रकाशन के सन्दर्भ में इस सम्बन्ध में आदेश नहीं ...गये थें कि कितने प्वाइन्ट में प्रकाशन किया जाना है अतः प्रकाशन कितने प्वाइन्ट में ...जाय सम्बन्धित समाचार पत्र पर निर्भर था । यह उचित नहीं था ।

...पना निधिः–

...श्री आनन्द कुमार ठेकेदार को भुगतान रू0 7781–00:–

...र नगर में पहुँच मार्ग सी0सी0 रोड के निमार्ण कार्य हेतु रू0 7781–00 दिनांक ...10–2004 द्वारा श्री आनन्द कुमार को भुगतान किया गया था । पत्रावली के अवलोकन ...विदित हुआ कि कार्य आदेश में किसी भी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं थे। ...कार्य आदेश की पूर्ति के भुगतान का आधार स्पष्ट किया जाये ।

...श्री इमरान खान को भुगतान रूपयें 43709–00:– रोकड़बही दिनांक 20 अक्टूबर,2004 ...श्री इमरान खान को वार्ड नम्बर 11 ज्वालापुर में श्री इरफान वाली गली में सी0सी0 ...क निर्माण में सामग्री आपूर्ति किये जाने में रू0 43709–00 का भुगतान किया गया था ...वली के अवलोकन से प्रकाश में आया कि कार्यालय आदेश संख्या ...5/वि0नि0/मण्डीकुआ/2002 दिनांक 23–3–2002 निर्गत आपूर्ति के सापेक्ष्य श्री इमरान ...न निम्न प्रकार से आपूर्ति दी गई थी ।

सामग्री प्राधिकरण को आपूर्ति की जाने वाली			सामग्री ठेकेदार द्वारा आपूर्ति	
सामग्री का विवरण	मात्रा	दर	मात्रा	धनराशि
फाइन सैण्ड	1,00घ0मी0	150–00	शून्य	––
कोर्स सैण्ड	20,00 –’–	300–00	13,8	4140–00
स्टोन वैलास्ट(20एम0एम0)	0,50घ0मी0	341–00	27,50	9377–50
स्टोन वैलास्ट(40एम0एम0)	4,00 –’–	270–00	शून्य	––
सीमेन्ट ओ0पी0सी0–43 ग्रेड	290 बैग	148–00	204–00	30192–00
ईट एम0 150	1650 नं0	1690–00प्रति हजार	––	––
			योग	43709–50

उपर्युक्त से स्पष्ट था कि श्री खान द्वारा आदेश के मानक के अनुसार सामग्री की ...आपूर्ति नहीं की गई थी इससे स्पष्ट था सी0सी0 सड़क के निर्माण का कार्य प्राधिकरण द्वारा ...नहीं कराया अतः उपर्युक्त आपूर्ति सामग्री के अवशेष की पुष्टि स्टाक पंजिका से कराई ...जाये। इसके अतिरिक्त अनुबन्ध के अनुसार आपूर्ति न किये जाने पर कृत कार्यवाही से सम्परीक्षा को अवगत कराया जाये।

(6) पत्रावली नो0/हरि0/2003/2000–2001 गुरूमण्डलाश्रम में रू0 80713–00 कम लिया जाने के सम्बन्ध में :– पत्रावली नो0हरि0/2003/2000–2001 गुरूमण्डलाश्रम के अवलोकन से विदित हुआ कि पत्रावली के पुष्ठ सं0 6 पर शमन शुल्क की गणना

क्रमशः– 6

Scanned with CamScanner

रुपये 237711–00 की गई थी किन्तु वाद में इसे संशोधित करते हुए रू0 15
दिया गया था इससे रू0 80713–00 की धनराशि जिसका विवरण निम्नवत है
गया था अतः भू–स्वामी द्वारा रसीद संख्या 401/38 दिनांक 25–11–20
156998–00 जमा किया गया था ।

शमन विवरण	प्रथम आकलित धनराशि	संशोधित एरिया	धनराशि	
बिना स्वीकृति निर्माण 264,30 वर्गमीटर	30,000–00	236,41वर्गमीटर	25,000–00	
एफ0एस0बी0 11,86X400+7800	189760–00	7,26	116160–00	
विकासशुल्क276,16वर्गमी0	16570–00	243,67	14620–00	
पर्यवेक्षण शुल्क	1381–00	243.67	1218–00	
योग	**237711–00**		**156998–00**	

उपुर्यक्त से स्पष्ट अवर अभियन्ता द्वारा रू0 237711–00 का आकलन कि
दूसरे अवर अभियन्ताद्वारा रू0 156998–00 की शमन शुल्क की गणना की गई
में स्थिति स्पष्ट की जाय कि दोनो अवर अभियन्ताओं की गणना में विभेद का
था तथा दूसरे अभियन्ता द्वारा रू0 156998–00 की धनराशि को किस आध
किया गया ।

(7) वेदमाता गायत्री ट्रस्ट भूपतवाला ले आउट को निरस्त किया जानाः– वेद
ट्रस्ट भूपतवाला से सम्बन्धित पत्रावली के अवलोकन से विदित हुआ कि शम
गणना निम्न प्रकार की गई थी तथा पूर्व जमा की गई धनराशि को कम क
1974313–00 रसीद संख्या 401/13 दिनांक 9–11–2004 द्वारा प्राधिकरण कोष
गई थी ।

1– विकास शुल्क 16400 वर्ग मी0 रू0 100–00 प्रति वर्ग मी0	1640000–00
2– पर्यवेक्षण शुल्क 14599,66	72998–00
3– सब डिवीजनल शुल्क 16400/वर्ग मी0 रू0 400/प्रतिवर्ग मी0 की दर से	656000–00
4– पत्रावली पुनः अवधारित रू0 3000–00 का 30%	900–00
अन्य शुल्क	35–00
योग	2369933–00
पूर्व में जमा	395620–00
रसीद संख्या 401/13दिनांक 9–11–2004 द्वारा जमा	1974313–00

पत्रावली के वाये पृष्ठ संख्या 16 पर कार्यालय की आख्या प्रस्तर 1 जि
पूर्व में स्वीकृत ले आउट को निरस्त कर दिया गया था । जिसके प्रार्थी द्वारा
पत्र प्रस्तुत किया गया था पूर्व स्वीकृत ले आउट को निरस्त किये गये औचि
किया जाये ।

**(8) श्रीमती चन्द्र कला पत्नी श्री मनोहर लाल भूपतवाला से सब डिवी
रुपये 1344–00 कम लिया जानाः–** पत्रावली 160/04–05 पुराना एवं नया नम्बर
चन्द्र कला की भवन निर्माण से सम्बन्धित पत्रावली के अवलोकन से विदित हुआ
पत्र के अनुसार भूमि क्रय मूल्य रुपये 2956–00 प्रति वर्ग मीटर था ।

Scanned with CamScanner

जबकि रुपये 2700–00 प्रति वर्ग मीटर की दर से 525 वर्ग मीटर के लिये दिखाया गया था। तथा सब डिवीजनल शुल्क रुपये 14175–00 लिया गया था ।

विवरण	लिया गया शुल्क	देय शुल्क	अन्तर
1– विकास शुल्क	52500–00	52500–00	––
2– पर्यवेक्षण शुल्क	2743–00	2743–00	––
3– सब डिवीजनल शुल्क	14175–00	15519–00	1344–00
4– रीओपेन शुल्क पत्रावली	3000–00	3000–00	––
योग:–	**72418–00**	**73762–00**	**1344–00**

अतः उपरोक्त से स्पष्ट था कि सब डिवीजनल शुल्क रुपये 1344–00 कम लिया गया था जिसे जमा कराया जाये ।

(9) श्री विजय कुमार कोहली लक्ष्मण झूला पत्रावली संख्या 76/2001–02

पत्रावली संख्या 76/2001–2002 श्री विजय कुमार कोहली लक्ष्मण झूला एनकलेब बद्रीनाथ मार्ग तपोवन मुनि की रेती के अवलोकन से विदित हुआ कि पत्रावली के दाये पृष्ठ 10 पर तत्कालीन अवर अभियन्ता की आख्या दिनांक 29.4.2002 के अनुसार प्रश्न गत स्थल निरीक्षण पर पाया गया कि पूर्व स्वीकृत मानचित्र संख्या 85/98–99 व स्वैच्छिक शमन मानचित्र की समीक्षा करने पर देखा गया कि मानचित्र के विपरीत स्थल पर टाइप–3 के तीन ब्लाक का निर्माण किया गया था तथा स्वैच्छिक शमन मानचित्र में गृह स्वामी द्वारा टाइप–2 ब्लाक तक शमन कराया गया था टाइप –3 के बेसमेन्ट में प्रस्ताविक पार्किंग स्थल भी नही छोड़ा गया था उपर्युक्त से स्पष्ट था कि किया गया निर्माण कार्य अनियमित था । पत्रावली में शपथ पत्र के अवलोकन से विदित हुआ कि गृह स्वामी द्वारा इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया था कि अशमनीय भाग को मेरे ध्वस्त करके सूचित कर दिया जायेगा किन्तु इस सम्बन्ध में प्राधिकरण कार्यालय को कोई सूचना न तो गृह स्वामी द्वारा दी गई और नही प्राधिकरण द्वारा ही इस बात की जानकारी प्राप्त की गई कि गृह स्वामी द्वारा शपथ पत्र में दिये गये शब्दों का पालन किया गया है अथवा नही वस्तु स्थिति को शपथ पत्र के परिणाम से अवगत कराया जाये ।

(10) पत्रावली नो0हरि0/225/2003–04 श्री धर्मवीर सत्यम विहार भूपतवाला:–

पत्रावली के अवलोकन से विदित हुआ कि पूर्व स्वीकृत भवन मानचित्र 102/2001–2002 जिसे नगर नियोजक हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा जिसे दिनांक 10.8.2001 द्वारा स्वीकृत किया गया था किन्तु भवन स्वामी द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण किये जाने पर निर्माण शमनीय हो गया था इस मानचित्र की स्थिति के अनुसार प्लाट एरिया 167.17 वर्ग मीटर था तथा मानचित्र में सर्व श्री धर्मवीर, राजेश, मनोज एवं परमानन्द के नाम थे किन्तु शमन हेतु प्रस्तुत किये मानचित्र में प्लाट एरिया 250.75 वर्ग मीटर था तथा शमन शुल्क रुपये 70570–00 का आंकलन किया गया था जिसे रसीद संख्या 400/II दिनांक 5.10.2004 द्वारा जमा कर दिया गया था मानचित्र स्वीकृत करते समय यह प्रतिबन्ध लगाया गया था कि जो सीढी प्रस्तावित की गई है वह सीढी भवन के पीछे की तरफ बनाया जाना अनिवार्य होगा ।

क्रमशः–8

प्राधिकरण कार्यालय के पत्रांक संख्या 4786/नो0हरि0/225/2005 मार्च, 2005 जो अशमनीय भाग को ध्वस्त किये जाने से सम्बन्धित था भवन करते हुए सूचित किया गया था कि उत्तरॉचल उत्तर प्रदेश नगर योज अधिनियम 1973 की धारा 27/28 के अन्तर्गत आप द्वारा अशमनीय भाग किया गया है । आगामी कार्यवाही प्राधिकरण द्वारा किस प्रकार तथा क्या से स्पष्ट न थी ।

(11) अधिशासी अभियन्ता निर्माण शाखा पेयजल संशाधन हेतु 3060000-00:-

पत्रावली के अवलोकन से विदित हुआ अधिशासी अभियन्ता पेयजल को रुपये 3060000-00 का भुगतान दिनांक 30.11.2004 द्वारा किया पेयजल का कार्य अभी तक पूर्ण नही किया गया था यह स्थिति सन्तोष सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही लेते हुए कृत कार्यवाही से सम्परीक्षा को अवगत कराया जाये ।

(12) श्री सदानन्द जोशी की अधिवर्षता आयु पर नियुक्ति अनि

हरिद्वार प्राधिकरण के कार्यालय पत्रांक संख्या 341/प्रशा0 1(ग)-46/20 27.5.2004 द्वारा श्री सदानन्द जोशी को वाहन चालक के पद पर दिनांक नियुक्त किया गया था सेवा पुस्तिका के अवलोकन से विदित हुआ कि इनक अप्रैल 1948 थी स्पष्ट था कि निर्धारित आयु सीमा से अधिक पर नियुक्ति अनियमित था इस स्तर पर शासन से छूट प्राप्त किये जाने हेतु कोई का गई। अब शासन से छूट प्राप्त किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही कृत परि सम्परीक्षा में अवगत कराया जाये ।

(13) कर्मचारी भविष्य निधि से सम्बन्धित लेजर खाते अनुरक्षित न

सम्परीक्षा के समय देखा गया कि कर्मचारियों के वेतन से की जा निधि से सम्बन्धित लेजर खाते अनुरक्षित नही किये गये थे जिससे वेत कटौतियों की वाछित पृविष्ठियों का सत्यापन उनके लेजर खाते से नही इसके अतिरिक्त 31 मार्च, 2005 को कर्मचारियों के खातों में कितनी धनराशि भी सत्यापन नही किया जा सका लेजर खाते अनुरक्षित करते हुए वस्तु स्थि कराया जाये ।

(14) देय किश्तो को विलम्ब से भुगतान किये जाने पर ब्याज गणना न

सम्परीक्षा के समय देखा गया कि गृह स्वामियों द्वारा भवन प्लाट से सम का भुगतान निर्धारित तिथि पर नही किया जाता था जिसके लिये विलम्ब द किन्तु प्राधिकरण द्वारा मूल धन की धनराशि तो जमा करा ली जाती थी कि धनराशि अन्तिम किश्त भुगतान करते समय आकलित की जाती थी यह स्थिति थी देय विलम्ब दण्ड की धनराशि को तत्काल ही मूल धनराशि की किश्त के जानी चाहिए थी ।

(15) अस्वीकृत मानचित्र:- सम्परीक्षा के समय देखा गया कि निम्नलिखित मानचि किये गये इन मानचित्रों को कब स्वीकृत किया गया स्थिति अज्ञात रही इस मानचित्र पंजिका में सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षरो का अभाव था ।

Scanned with CamScanner

क्र0	गृह स्वामी का नाम	पंजिका की क्रम संख्या	मानचित्र प्रस्तुत करने की तिथि	अस्वीकृत तिथि
1-	श्रीमती नौबेदेवी पेटवाल	85/04-05	13.10.2004	20.12.2004
2-	श्री रमेश कुमार कक्कड	86/04	13.10.2004	11.11.2004
3-	श्री फतेहसिंह	87/04-05	5.10.2004	15.12.2004
4-	मेसर्स हजशनइजर	88/04-05	26.10.2004	15.12.2004
5-	श्री श्रीकृष्णाचन्द्र	89/04-05	5.11.2004	27.12.2004
6-	श्री सुभाषचन्द्र सोधी	94/04-05	5.11.2004	27.12.2004
7-	श्रीमती कुसुमलता गुप्ता	95/04-05	8.11.2004	27.12.2004
8-	श्री राजेकुमार लाम्बा	96/04-05	18.11.2004	27.12.2004

2- लेखे के परफॉर्मेन्स के सम्बन्ध में आवश्यक बिन्दु :- कोई नही

3- वित्तीय स्थिति :- सम्परीक्षा में प्रस्तुत किये गये लेखा अभिलेखों के आधार पर जहाँ तक सुनिश्चित किया जा सका आलोच्य अवधि में संस्था के लेखे की वित्तीय स्थिति निम्नवत् थी :-

विवरण	धनराशि
1	2
1 अप्रैल,2004 को प्रारम्भिक अवशेष	137305558-70
वर्ष की आय	126687704-75
योग:-	**263993263-45**
वर्ष का व्यय	199512901-00
31 मार्च 2005 को इतिशेष	**64480362-45(क)**
31मार्च 2005 को बैंक खातों में अवशेष	
(1) सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया हरिद्वार खाता संख्या 8000	335918-84
(2) पंजाब नेशनल बैंक हरिद्वार खाता संख्या 57382	14134490-26
(3) पंजाब नेशनल बैंक खाता संख्या 5740	2139584-50
(4) स्टेट बैंक आफ इण्डिया हरिद्वार खाता संख्या 11137	734172-90
(5) स्टेट बैंक आफ इण्डिया रोशनाबाद खाता संख्या 70725	213235-48
(6) ओ0वी0सी0 ऋषिकेश खाता संख्या 08	1584964-85
(7) ओ0वी0सी0 खाता संख्या 386	296438-93
(8) पी0एल0ए0	1862056-72
(9) सिण्डीकेट बैंक खाता संख्या अज्ञात	336857-00
(10) नैनीताल बैंक खाता संख्या अज्ञात	277984-00
(11) सावधि जमा	45000000-00
31 मार्च 2005 बैंक पास बुकों के अनुसार अवशेष	**66915703-48(ख)**

क्रमशः-10

टिप्पणी:– (1) 'क' एवं 'ख' के अन्तरो को बैंक समाधान के माध्य किया जाये ।

(2) क्रमांक 9 एवं 10 पर अंकित बैंक खातों की पास बुकें सम्परी अनुपलब्ध रही ।

(3) सावधि जमा धनराशियों के प्रमाण पत्रो 31 मार्च 2005 के पश्चात करा लिया गया था जिसके कारण इनका भैतिक सत्यापन नही किया जा सका

(4) उपयुक्त के अतिरिक्त अन्य किसी बैंक में खाता न होने की पुष्टि

(5) सस्था के आय–व्यय के वित्तीय आकड़ो का विवरण संलग्न परि 'ख' मे दिया गया है ।

4– विनियोजन:– आलोच्य अवधि के अन्त में विनियोजित धनराशिय निम्नवत् थी:–

क्र0	विनियोजन का विवरण	विनियोजन की तिथि	परिपक्व तिथि	ध
1–	सेण्ट्रल बैंक आफ इण्डिया हरिद्वार सावधि जमा प्रमाण पत्र संख्या 676416/10 नवम्बर 2004	10.11.2004	10.11.2005	10
2–	सेण्ट्रल बैंक आफ इण्डिया हरिद्वार सावधि जमा रसीद संख्या 234618 दिनांक 24.12.2005	24.12.2004	1.4.2005	15
3–	सेण्ट्रल बैंक आफ इण्डिया हरिद्वार सावधि जमा रसीद संख्या 234617 दिनांक 24. 12.2004	24.12.2004	1.4.2005	20
			योग:–	45

टिप्पणी:– संस्था द्वारा पूर्व विनियोजन धनराशियों को बैंक भुना लेने के प रुप से उपर्युक्त धनराशि विनियोजित की गई थी तथा ऑशिक धनराशि को व्यय के प्रयोग में लाया गया था ।

(2) उपर्युक्त धनराशियॉ 31 मार्च 2005 तक विनियोजित थी जिसे की पश्चात् पुर्नविनियोजित नही किया गया था भुना लेने के फलस्वरुप इन धनराशियों के प्रमाण पत्रों का भौतिक सत्यापन नही किया जा सका ।

(3) विनियोजन पंजिका निर्धारित प्रारुप में नही थी अब निकट भविष्य प्रारुप में रखा जाये ।

5– राजकीय अनुदान:–आलोच्य अवधि में प्राप्त अनुदानों उनके 31 मार्च 2005 के अन्त में अवशेष की स्थिति का विवरण इस आख्या में संल 'ग' 'घ' 'ड़' में दिया गया है ।

(1) कुम्भ मेला – परिशिष्ट 'ग'
(2) आई0डी0एस0एम0टी0– परिशिष्ट 'घ'
(3) विधायक निधि – 'ड़'

Scanned with CamScanner

संलग्न परिशिष्ट 'घ' एवं 'ड.' में अंकित अवशेष धनराशियॉं लम्बी अवधि से चली रही थी जिन्हें या तो उपभोग किया जाये अथवा शासन को वापसी की कार्यवाही की जाये।

टिप्पणी:– अनुदान पंजिका सादे रजिस्टर में अनुरक्षित की गई थी इसे निर्धारित रूप में रखा जाये तथा सक्षम अधिकारी से सत्यापित कराके प्रस्तुत की जाये ।

(2) संलग्न परिशिष्ट 'क' में अंकित अनुदानों के अतिरिक्त अन्य कोई अनुदान आलोच्य अवधि में नही प्राप्त हुआ था इसकी पुष्टि की जाये । मदवार अनुदान उपभोग का विवरण संलग्न परिशिष्ट 'च' में दिया गया है ।

6– राजकीय/सार्वजनिक उपक्रमों से प्राप्त ऋण:– आलोच्य अवधि में संस्था द्वारा निम्न विवरणानुसार सार्वजनिक उपक्रमों से प्राप्त किया गया था:–

ऋण प्राप्त करने का स्त्रोत	ऋण का प्रयोजन	प्राप्ति तिथि	धनराशि
1- पंजाब नेशनल बैंक मायापुर हरिद्वार	भूमि अध्यारित अधिकारी को भुगतान हेतु	23.3.2005	27500000–00
2- सेण्ट्रल बैंक आफ इण्डिया हरिद्वार	——"——"——	24.3.2005	43100000–00
		योग:–	70600000–00

टिप्पणी:– ऋण पंजिका अनुरक्षित नही की गई थी ।

(2) ऋण लिये जाने हेतु आयुक्त की स्वीकृति नही दिखाई गई ।

7– देय सम्परीक्षा शुल्क:– प्राधिकरण की आलोच्य अवधि की आय रुपये 26687704–75 पर शासनादेश के अन्तर्गत रुपये 380570–00 के सम्परीक्षा शुल्क की मॉग प्रापित की गयी थी जिसमें आंशिक रुप से रुपये 234803–00 की धनराशि राजकोषागार शनाबाद में चालान संख्या 02 दिनांक 13.1.2006 द्वारा जमा किया गया था जिसका सत्यापन अपेक्षित है शेष धनराशि को अविलम्ब राजकोषागार में निर्धारित लेखा शीर्षक के अन्तर्गत जमा किये जाने हेतु प्राधिकरण अधिकारियों का ध्यान अपेक्षित है ।

निष्कर्ष:– उपर्युक्त वर्णित मन्तव्यों तथा सम्परीक्षा आख्या के भाग तीन में निहित दो दो के अतिरिक्त संस्था के लेखे सन्तोष जनक थे । फिर भी पर्याप्त सुधार एवं पर्यवेक्षण की आवश्यकता थी ।

दिनांक 01–3–2006
स्थान:– देहरादून
अनन्त प्रसाद श्रीवास्तव
वरिष्ठ लेखा परीक्षक ग्रेड प्रथम निर्गमनार्थ प्राधिकृत

वरिष्ठ लेखा परीक्षक,
स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग

सहायक निदेशक,
कोषागार एंव वित्त सेवायें,
स्थानीय निधि लेखा परीक्षा प्रभाग,
देहरादून, उत्तरॉंचल ।

Scanned with CamScanner

(306)

~~परिशिष्ट~~ -के आख्या को प्रस्तर 3

स्था० नि० लै० प्रपत्र संख्या–104

वर्ष 2004-05 में

~~नगरपालिका परिषद / जिला पंचायत / नगर पंचायत / इण्टर कालेज~~ हरिद्वार विकास प्राधिकरण हरिद्वार के आय और व्यय की तालिका

क्र० सं०	स्थानीय निकाय का नाम	1 अप्रैल 04 को प्रारम्भिक अवशेष	वर्ष की आय					प्रारम्भिक अवशेष सहित योग 3+4(ग)	वर्ष में हुआ व्यय	मार्च 2002 का अंतिम अवशेष	मन्तव्य
			राजकीय अनुदानों और ऋणों के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से आय	अनावर्तक राजकीय अनुदान	आवर्तक राजकीय अनुदान	~~सार्वजनिक~~ राजकीय/ ~~आय~~ ऋण	वर्ष की सम्पूर्ण आय (क+ख+ग+घ)				
1	2	3	4(क)	4(ख)	4(ग)	4(घ)	4(च)	5	6	7	8
	हरिद्वार विकास प्राधिकरण हरिद्वार	137305559	~~[illegible]~~ 50598755/=	5488949/=	–	70600000	126687704	263993263/-	19451290/	64480362/-	

(44)

29/5

परिशिष्ट 'ख' आख्या का प्रपत्र -3

स्था० नि० ले० प्रपत्र संख्या-105

वर्ष 2004-05 में

~~नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत~~ हरिद्वार विकास प्राधिकरण हरिद्वार द्वारा प्राप्त अनुदानों तथा ऋणों का विवरण

(अंक पूर्ण रुपयों में)

क्रमांक	आय का शीर्षक	वर्ष का वास्तविक	क्रमांक 1 के समक्ष स्तम्भ 3 में प्रदर्शित अनुदानों की संहत स्थिति		मन्तव्य
			ऋण ~~कुल आवर्तक अनुदान~~	कुल अनावर्तक अनुदान	
1	2	3	4		5
1	शासन से प्राप्त अनुदान के प्रयोजन :- (क) शिक्षा (ख) चिकित्सा विकास कार्य अर्द्धकुम्भ मेला (ग) जन-स्वास्थ्य (घ) सड़क (ङ) अन्य निर्दिष्ट प्रयोजन (च) सामान्य प्रयोजन (छ) नगरपालिका/जिला परिषद/अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत लगाये गये अर्थ-दण्ड के बदले (ज) नगरपालिका/जिला परिषद/अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा प्रशासित नौका घाटों से प्राप्त आय के समतुल्य (झ) अन्य प्रयोजन (ञ) जिला परिषदों के सम्बन्ध में स्थानीय उप-शुल्कों के समतुल्य (ट) ________	5488949/-		5488949/-	
2	~~शासन से प्राप्त ऋण~~				
3	खुले बाजार से लिये गये ऋण	70600000/-	70600000/-		
	योग	76088949/-	70600000/-	5488949/-	

[illegible signature]

परिशिष्ट - च 4 (क) - 7

2004-05 के अर्द्धकुम्भ मेला 2004 हेतु प्राप्त अनुदानों एवं व्ययो का विवरण (45)

परिशिष्ट

एवं प्रस्तावित कार्य	आवंटित धनराशि	वर्षारम्भ में अवशेष	प्राप्त	योग	व्यय	31 मार्च 05 को अवशेष
...से सोमी घेड का निर्माण	3521000	30969=00	—	30969/=	—	30969/=
...से जंगलो की सफाई	2658000	725493=00	—	725993/=	678972/=	47021/=
...आयोग के सामने ...का निर्माण	136000	(-) 25495=00	—	(-)25495/=	—	(-)25495/
...धौलपुर में नाला ...का कार्य	364000/=	21393/=	—	21393/=	21393/=	—
...के पास सड़क निर्माण कार्य	699000/=	363462/=	—	363462/=	87383/=	276079/=
...से टैनमेड कार्य	76000/=	17980/=	156000	173980/=	92289/=	81691/=
...पुल पर सीढियो का	80000/=	25553/=	—	25553/=	—	25553/=
...आश्रम के पास सड़क निर्माण	444000/=	371602/=	—	371602/=	276093/=	95509/=
...तक निर्माण कार्य	751000/=	46243/=	369000/=	415243/=	357691/=	57552/=
...से लिंक मार्ग	1028000/=	1028000/=	—	1028000/=	591122/=	436878/=
...जेड्डू से लिंक मार्ग	2197000/=	739364/=	—	739364/=	606618/=	132746/=
...लगाने हेतु	6898000/=	6898000/=	148000/=	7046000/=	4375132/=	2670868/=
...व्यवस्था	8550000/=	1333565/=	10,00000/=	2333565/=	2128627/=	204938/=
...हाईमास्ट लगाने हेतु	1988000/=	1988000/=	—	1988000/=	25174/=	1962826/=
...से वाहडीप तक मार्ग ...एवं मरम्मत	64000/=	64000/=	—	64000/=	58974/=	5026/=
...से भारत माता मंदिर तक ...कार्य	1777000/=	1777000/=	300000/=	2077000/=	38417/=	2038583/=
...एवं जोधामल रोड को	216000/=	216000/=	—	216000/=	137330/=	78670/=
...रिवर्ज 6 के समीप ...पुनः निर्माण हेतु	1977000/=	1977000/=	200000/=	2177000/=	1129762/=	1047238/=
...के पास स्वतंत्रता संग्राम ...का सौन्दर्यीकरण	100000/=	100000/=	—	100000/=	94165/=	5835/=
...तक सड़क निर्माण	61000/=	61000/=	—	61000/=	54336/=	6664/=
...मार्ग से श्यामपुर तक ...मार्ग की मरम्मत	537000/=	537000/=	—	537000/=	412373/=	124627/=
...से दिव्य योग तक ...कार्य	237000/=	237000/=	195000/=	432000/=	294530/=	137470/=
...से दुधाधारी चौक ...नालों में सड़क निर्माण	337000/=	337000/=	—	337000/=	290475/=	46525/=
...नगर से 2.5 कि०मी० ...निर्माण कार्य	796000/=	796000/=	—	796000/=	587328/=	208672/=
योग आगे ले गये		19666629/=	2368000/=	22034629/=	12338184/=	9696445/=

305

		19666629	2368000/-	22034629/-	12338104/-
योग आगे					
25 सप्तऋषि से दूधकुण्ड आश्रम के बराबर सड़कों का निर्माण	469000/-	469000/-	—	469000/-	462107/-
26 हरिपुर कलां में गली नं. 5 के पास की 4 गली का निर्माण	500000/-	500000/-	—	500000/-	478291/-
27 हरिपुर कलां में गली नं. 5 में पक्का खड़ंजा	110000/-	110000/-	—	110000/-	86434/-
28 भोगपुर मार्ग का निर्माण	2453000/-	2453000/-	—	2453000/-	1524338/-
29 भोला कुटीर में सड़क निर्माण	644000/-	644000/-	—	644000/-	230955/-
30 नीलधारा में चीला से चण्डीपुल तक सीढ़ियों की मरम्मत	328000/-	328000/-	—	328000/-	405549/-
31 मातृसदन में सी.सी. कार्य	99000/-	99000/-	—	99000/-	—
32 ऋषिकेश बाजार में त्रिवेणी घाट के पास के फुटपाथ एवं रेलिंग में पेंटिंग	20000/-	20,000/-	—	20000/-	14091/-
33 बैरागी कैम्प स्थित नहर अलकनंदा की ओर जाने वाली सड़क पर (बैना	314000/-	314000/-	—	314000/-	245058/-
34 पीपल वाली गली भूपत वाला में नाली निर्माण	814000/-	814000/-	200000/-	1014000/-	233353/-
35 गत वर्ष 2004 के अर्धकुम्भ का अवशेष विभिन्न कार्यों से सम्बन्धित	1862000/-	1862000/-	—	1862000/-	18620…
36 गौरीशंकर से नजीबाबाद मार्ग निर्माण	1832000/-	—	1832000/-	1832000/-	1792254/-
37 बैरागी कैम्प से बेलडाउन क्षेत्र में मिट्टी भराई एवं ड्रेसिंग कार्य तथा अर्धकुम्भ मेला क्षेत्रान्तर्गत कांगड़ा दीप चण्डीद्वीप पन्नादीप बाई पास रोड पर आदि के जे.सी.बी. तथा मोटरग्रेडर द्वारा ड्रेसिंग एवं लेवलिंग	297000/-	—	297000/-	297000/-	291648/-
38 प्रेमा निकेतन के सामने गंगा को जाने वाले रास्ते हेतु सी.सी. मार्ग निर्माण	149000/-	—	149000/-	149000/-	14847…
39 हाईमास्ट पर कनेक्शन हेतु आर्मर्ड केबल लगाने का कार्य	195000/-	—	195000/-	195000/-	—
40 भीमगोड़ा कुण्ड की सफाई एवं सौन्दर्यीकरण	59000/-	—	59000/-	59000/-	53965/-
41 जटवाड़ा पुल से आगे 2.55 मी० लम्बाई में अपर गंगा नहर के किनारे सौन्दर्यीकरण	328000/-	—	328000/-	328000/-	299103/-
42 मेला नियंत्रण भवन में लान विकसित करना एवं वृक्षारोपण कार्य	46083/- 14866/-	—	60949/-	60949/-	115601/-
43 ~~रेलवे स्टेशन के अन्दर स्ट्रीट सड़क को अपर गंगा नहर की ओर रोलिंग~~ कार्य					
कुल योग		27279629/-	5488949/-	32768578/-	20806909 2,55,514 2,05,11395

परिशिष्ट "ख" आख्या का प्रारूप -5

वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा अप्रयुक्त अनुदानों की तालिका

क्रम-संख्या	राजकीय आदेश संख्या तथा तिथि, जिससे अनुदान स्वीकृत हुआ	अनुदान का प्रयोजन	अनुदान की मौलिक धनराशि	अनुदान प्राप्ति की तिथि	वर्षारम्भ में प्रारम्भिक अवशेष	वर्षान्तर्गत प्राप्त अनुदान	योग	वर्ष में व्यय की गई धनराशि	वर्षान्त में अन्तिम अवशेष	मन्तव्य
1	2	3	-	5	6	7	8	9	10	11
1	शासनादेश सं. 914/नट विट अर्द्धकुम्भ 2002-13 अगस्त 2002 टी सी. मेला 2004	अर्द्धकुम्भ मेला 2004 के लिये विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्य	100000000	–	1862000	–	1862000	1862000	–	
2	शासनादेश संख्या 2180/ग्रा0 वि0/आ 03-310 दिनांक 30.9.2003	रूड़की क्षेत्र में सौती रोड निर्माण कार्य	3521000	29.11.2003	30969	–	30969	30	30969=00	
3	शासनादेश सं. 177 दि0 1.2.2004 के अन्तर्गत जिलाधिकारी हरिद्वार से प्राप्त	विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्य			25386660	–	25386660			
	चेक संख्या / दिनांक									
	491/50 — 17.3.2004		6769000	31.3.2004						
	49y/6 — 7.3.2004		4337000	8.3.2004						
	419/34 — 11.3.2004		325000	16.3.2004						
	483/34 — 24.2.2004		5865000	8.3.2004						
	470/45 — 5.3.2004		835000	29.3.2004						
	477/38 — 8.2.2004		10524000	8.2.2004						
	483/01 — 27.2.2004		530000	27.2.2004						
	483/6 — 27.2.2004		2000000	27.2.2004						
	483/47 — 5.3.2004		6537000	8.2.2004						
	चेक संख्या 22167 — 4.3.2004		10000	8.3.2004						
4	बैंक ड्राफ्ट संख्या 828854 एवं 955 द्वारा प्राप्त	तदैव	1748000/-			1748000/-	1748000/-			
5	बैंक ड्राफ्ट सं. 828854 एवं 855 द्वारा प्राप्त	तदैव	1848000/-			1848000/-	1848000/-			
6	बैंक ड्राफ्ट सं. 828667	तदैव	900000/-			900000/-	900000/-			
7	बैंक ड्राफ्ट सं. 828668	तदैव	932000/-			932000/-	932000/-			
8	चेक संख्या 50 दिनांक 24.2.05	तदैव	46083/-			46083/-	46083/-			
9	चेक संख्या 223221 दिनांक 28.3.05	तदैव	14866/-			14866/-	14866/-			
	योग				27279629	5488949/-	32768578	20806909	11961669	

शासन संख्या ——— दिनांक ——— के सन्दर्भ में महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद तथा सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, ——— विभाग को प्रेषित।

सं0 ———

निदेशक,

स्थानीय निधि लेखा,

(46)

29/B

परिशिष्ट-"घ" आख्या का प्रारूप 5 ख्या० नि० सं०—66

वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा अप्रयुक्त अनुदानों की तालिका आई.डी.एस.एम.टी. हरिद्वार

क्र.संख्या	राजकीय आदेश संख्या तथा तिथि, जिससे अनुदान स्वीकृत हुआ	अनुदान का प्रयोजन	अनुदान की मौलिक धनराशि	अनुदान प्राप्ति की तिथि	वर्षारम्भ में प्रारम्भिक अवशेष	वर्षान्तर्गत प्राप्त अनुदान	योग	वर्ष में व्यय की गई धनराशि	वर्षान्त में अन्तिम अवशेष	मन्तव्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	आवास अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या आ-57/8आ-95-53 आई डी एस एम टी/96 दिनांक 31-3-96	संगठित विकास योजना	5300000/-	31-3-96						
2	आवास अनुभाग-1 के शासनादेश सं० आ-8-57(1)9-आ-96-3 आई डी एस एम टी 96 दिनांक 31-3-96	स्वीकृत विकास योजना राज्यांश	3533000/-	31-3-96	4857722/-	—	4857722/-	—	4857722/-	
3	आवास अनुभाग-1 के शा० सं० आ-27/9-आ-1-97-6-आई डी एस एम टी/97 दिनांक 29-3-97	संगठित विकास योजना केन्द्रांश	1700000/-	9-2-98						
4	आवास अनुभाग के शा० सं० आ-27(1)/9-आ-1-97-6/आई डी एस एम टी/97 दिनांक 29-3-97	स्वीकृत विकास योजना राज्यांश	1133000	9-2-98						
5	शासनादेश अनुपलब्ध	सौन्दर्यीकरण हेतु	110000	अज्ञात	102067/-	—	102067/-	—	102067/-	
6	तदैव	सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु	—	—	55935/-	—	55935/-	—	55935/-	
	योग				5015724/-	—	5015724/-		5015724/-	

राजाज्ञा संख्या ———— दिनांक ———— के सन्दर्भ में महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद तथा सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, ———— विभाग को प्रेषित।

परिशिष्ट "ड" आख्या का प्रारूप-5 लेखा० नि० सं०—66

(303)

वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत डीलर विकास प्राधिकरण द्वारा अप्रयुक्त अनुदानों की तालिका (विधायक/निधि) —डीडा

क्रम संख्या	राजकीय आदेश संख्या तथा तिथि, जिससे अनुदान स्वीकृत हुआ	अनुदान का प्रयोजन	अनुदान की धनराशि	अनुदान प्राप्ति की तिथि	वर्षारम्भ में प्रारम्भिक अवशेष	वर्षान्तर्गत प्राप्त अनुदान	योग	वर्ष में व्यय की गई धनराशि	वर्षान्त में अन्तिम अवशेष	मन्तव्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	शासनादेश सं. 1700/वि०यो०लो० दिनांक 22-11-2001	विभिन्न विकास कार्यों हेतु	1638000/=	31-12-2001	1000000/-	—	1000000/-	-	1000000	
							375000/-	-	375000	
2	शासनादेश सं. 1730/वि० यो०लो० दिनांक 6-12-2001	तदैव	1526000/=	31-12-2001	375000/-	—				
					1375000/-		1375000	—	1375000/-	

राजाज्ञा संख्या—————— दिनांक —————— के सन्दर्भ में महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद तथा सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, —————— विभाग को प्रेषित।

सं०——————

निदेशक,

निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवाये सह स्टेट इण्टरनल आडिट उत्तरांचल देहरादून

स्थानीय निधि लेखा परीक्षा प्रभाग हरिद्वार

सम्परीक्षा आख्या भाग तीन

संस्था का नाम :- हरिद्वार विकास प्राधिकरण हरिद्वार

सम्परीक्षा अवधि 2004-05

मानचित्र स्वीकृत हेतु आवेदन पत्र से सम्बन्धित पंजिका के सत्यापन का अभाव	हरिद्वार शहर मे प्राधिकरण द्वारा स्वीकृति / अस्वीकृति मान चित्रों के लिये किसी सक्षम अधिकारी उपाध्यक्ष / सचिव के

हस्ताक्षरों को नही कराया गया था इसका औचित्य स्पष्ट किया जाये।

आलोच्य अवधि मे कितने मानचित्र स्वीकृत हेतु प्रस्तुत किये गये कितने स्वीकृत तथा कितने अस्वीकृत थे की स्थिति से अवगत नहीं कराया गया।

2. मानचित्र पत्रावली सं० हरि०/270 2003-04 अध्यक्ष सुखधाम चैरीटेबल ट्रस्ट सोसाइटी गोकुल विहार भूपतवाला	पत्रावलित वाद से सम्बन्धित पत्रावली के अवलोकन से विदित हुआ कि स्वीकृत मानचित्र 104/2003-04 के विरुद्ध शमन शुल्क रू० 175720/- की

गई थी तथा रसीद संख्या 401/5 दिनांक 9-11-2004.

द्वारा सं० 175 7/2012 जमा किया गया था।
शमन इस शर्त के साथ किया गया था कि अध्यासीन भाग को 15 दिन के अन्दर ध्वस्त कर दिया जायेगा।
गृह स्वामी द्वारा ध्वस्त किये जाने हेतु अपना शपथपत्र दिनाँक 7-11-2004 को प्रस्तुत किया गया
किन्तु ध्वस्त की सूचना गृह स्वामी को स्वयं देनी थी।
किन्तु न तो गृह स्वामी द्वारा सूचना दी गई और न ही प्राधिकरण के अवर अभियंता/अवर अभि की निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई वस्तु स्थिति से अवगत कराया जाये।

दिनाँक
स्थान देहरादून

अनन्त प्रसाद श्रीवास्तव
सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी

सहायक निदेशक
कोषागार एवं वित्त सेवायें
स्थानीय निधि लेखा परीक्षा
देहरादून